Z\_¨weeiYx b¤^i : 57

**wgqvbgvi bvMwiK‡`i ev‡qv‡gwUªK wbeÜb Pj‡Q**

DwLqv (K·evRvi), 23 †cŠl (6 Rvbyqvwi) :

 K·evRv‡ii DwLqv I †UKbv‡di 12wU A¯’vqx AvkÖq‡K‡›`ª AvkÖq ‡bIqv wgqvbgvi bvMwiK‡`i miKvwi e¨e¯’vcbvq 6wU K¨v‡¤úi gva¨‡g ev‡qv‡gwUªK c×wZ‡Z wbeÜb KvR GwM‡q Pj‡Q| cvm‡cvU© Awa`ßi wbeÜb KvR ev¯Íevqb Ki‡Q|

AvR KzZzcvjs-1 K¨v‡¤ú 2 kZ 33 Rb cyiæl I 2 kZ 4 Rb bvix wg‡j 4 kZ 37 Rb, KzZzcvjs-2 K¨v‡¤ú 8 kZ 91 Rb cyiæl I 9 kZ 30 Rb bvix wg‡j 1 nvRvi 8 kZ 21 Rb, †bvqvcvov K¨v‡¤ú 2 kZ 31 Rb cyiæl I 2 kZ 17 Rb bvix wg‡j 4 kZ 48 Rb, \_vBsLvjx-1 K¨v‡¤ú 71 Rb cyiæl I 79 Rb bvix wg‡j 1 kZ 50 Rb, \_vBsLvjx-2 K¨v‡¤ú 89 Rb cyiæl I 71 Rb bvix wg‡j 1 kZ 60 Rb, evjyLvjx K¨v‡¤ú 2 kZ 68 Rb cyiæl I 2 kZ 56 Rb bvix wg‡j 5 kZ 24 Rb Ges cy‡ivw`‡b 6wU †K‡›`ª †gvU 3 nvRvi 5 kZ 40 R‡bi ev‡qv‡gwUªK wbeÜb Kiv n‡q‡Q|

AvR ch©šÍ ev‡qv‡gwUªK c×wZ‡Z †gvU 9 jvL 47 nvRvi 3 kZ 93 R‡bi wbeÜb Kiv n‡q‡Q|

mgvR‡mev Awa`ßi KZ…©K AvR ch©šÍ 36 nvRvi 3 kZ 73 Rb GwZg wkï kbv³ Kiv n‡q‡Q| G‡`i g‡a¨ 17 nvRvi 3 kZ 95 Rb †Q‡j Ges 18 nvRvi 9 kZ 78 Rb †g‡q| evev-gv †KD †bB Ggb GwZg wkïi msL¨v 7 nvRvi 7 kZ 71 Rb|

#

mvBdzj/‡mwjg/‡gvkvid/†mwjgy¾vgvb/2018/2030 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 56

**e½eÜzi mgvwa‡Z AvBwmwU gš¿xi cy®ú¯ÍeK Ac©Y**

‡MvcvjMÄ, 23 †cŠl (6 Rvbyqvwi) :

 WvK, †Uwj‡hvMv‡hvM I Z\_¨cÖhyw³ gš¿x †gv¯Ívdv ReŸvi AvR UysMxcvovq RvwZi wcZv e½eÜy †kL gywReyi ingv‡bi mgvwa‡Z cy®ú¯ÍeK Ac©Y K‡i kÖ×v Rvbvb| wZwb Gici dv‡ZnvcvV I †gvbvRvZ K‡ib| G mgq wewUAviwmi †Pqvig¨vb W. kvRvnvb gvnvgy`, †MvcvjMÄ †Rjv cwil‡`i †Pqvig¨vb †PŠayix Gg`v`yj nK, ‡Rjv AvIqvgx jx‡Mi mvaviY m¤úv`K gvnveye Avjx Lvb, Uy½xcvov Dc‡Rjv cwil‡`i †Pqvig¨vb MvRx †Mvjvg †gv¯Ídvmn †MvcvjM‡Äi wewUwmGj I WvK Awa`ß‡ii Kg©KZ©v I Kg©Pvixiv Dcw¯’Z wQ‡jb|

 ‡MvcvjM‡Äi Uy½xcvovq e½eÜz †kL gywReyi ingv‡bi mgvwa‡Z kÖ×v Rvwb‡q gš¿x mvsevw`K‡`i e‡jb, cÖavbgš¿x †kL nvwmbv WvK, ‡Uwj‡hvMv‡hvM I Z\_¨cÖhyw³ gš¿Yvj‡qi Dbœq‡bi `vwqZ¡ w`‡q‡Qb| mdj n‡Z cvi‡ev Ggb Av¯’v I wek¦vm †\_‡K G `vwqZ¡ wZwb w`‡q‡Qb| Zuvi m¤§vb ivLvi Rb¨ AvcÖvY †Póv Ki‡eb e‡j wZwb Rvbvb|

 gš¿x e‡jb, cÖvB‡fU Acv‡iUi¸‡jv wd‡Kv‡qwÝ e¨ÛDB\_ e¨envi K‡i e¨emv Ki‡Q, Zviv cvi‡j Avgiv cvi‡ev bv †Kb| Avgvi wek¦vm †Kv\_vq †Kvb fzj wQj, wKsev hviv `vwq‡Z¡ wQ‡jb Zviv wm×všÍ wb‡Z cv‡ibwb| Gme mgm¨v wPwýZ Ki‡ev, e¨\_© nevi †Kvb KviY †bB| Avgvi wek¦vm e¨\_©Zv¸‡jv wPwýZ Ki‡Z cvi‡j AvgivI e¨emv Ki‡Z cvi‡ev| wZwb e‡jb, AvR wWwRUvj evsjv‡`k ev¯Íe| 2021 mv‡ji g‡a¨ Z\_¨cÖhyw³mn meLv‡Z Avgv‡`i ¯^cœc~iY n‡e| 2041 mv‡ji g‡a¨ ÁvbwfwËK GKwU mgvR cÖwZôv Kiv Ges GKwU DbœZ iv‡óª cwiYZ nIqvi Rb¨ KvR K‡i hv‡ev|

#

Gbv‡qZ/‡mwjg/mÄxe/†mwjgy¾vgvb/2018/1820 NÈv

তথ্যবিবরণী নম্বর : ৫৫

**কোলকাতায় বাংলাদেশ চলচ্চিত্র উৎসব উদ্বোধন করলেন তথ্যমন্ত্রী**

কোলকাতা, ২৩ পৌষ (৬ জানুয়ারি):

চলচ্চিত্রকে সাম্প্রদায়িক অপশক্তি নির্মূলের হাতিয়ার হিসেবে বর্ণনা করে কোলকাতায় চারদিনব্যাপী বাংলাদেশ চলচ্চিত্র উৎসব ও মুক্তিযুদ্ধভিত্তিক আলোকচিত্র প্রদর্শনী উদ্বোধন করেছেন তথ্যমন্ত্রী হাসানুল হক ইনু। গতকাল কোলকাতার নন্দন চলচ্চিত্র কেন্দ্রের দু'নম্বর প্রেক্ষাগৃহে, কোলকাতায় বাংলাদেশ উপ-হাইকমিশনের সহায়তায় বাংলাদেশ সরকারের তথ্য মন্ত্রণালয় আয়োজিত উৎসবের উদ্বোধন অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথি হিসেবে যোগ দেন তিনি।

অনুষ্ঠানে পশ্চিমবঙ্গ সরকারের বিদ্যুৎ ও অচিরাচরিত শক্তি উৎস বিভাগের মন্ত্রী শোভনদেব চট্টোপাধ্যায় সম্মানিত অতিথির বক্তৃতায় বলেন, বাংলাদেশ স্বাধীন না হলে বাংলা ভাষা ও সংস্কৃতির চর্চা ও বিকাশ এপর্যায়ে উন্নীত হতো না। নয়াদিল্লীতে বাংলাদেশের হাইকমিশনার সৈয়দ মোয়াজ্জেম আলী এসময় বিশেষ অতিথি হিসেবে বক্তব্য রাখেন।

৫ থেকে ৮ জানুয়ারি কোলকাতার নন্দ কেন্দ্র ও নজরুল তীর্থে বাংলাদেশের ২৪ টি সিনেমা এবং ৮৩টি মুক্তিযুদ্ধভিত্তিক আলোকচিত্র প্রদর্শনী সবার জন্য উন্মুক্ত রয়েছে।

তথ্যমন্ত্রী বলেন, বাংলাদেশের মহান মুক্তিযুদ্ধে বাঙালি ও ভারতীয় সেনাদের দেয়া রক্তে পদ্মা-মেঘনা-যমুনার পানি আজো লাল। কোনো সাম্প্রদায়িক অপশক্তিই দু’দেশের এ মেলবন্ধনের প্রতি হুমকি হতে পারে না। সাম্প্রদায়িকতা নির্মূল করতে পারলেই শান্তি ও উন্নয়নের পথে সকল চ্যালেঞ্জ মোকাবিলার পথ সুগম হবে।  তিনি বলেন, চলচ্চিত্র মাধ্যমটি মানুষকে সবচেয়ে বেশি কাছে টানে, মানুষের মাঝে আবেগ সঞ্চার করে, তাকে ভাবতে শেখায়, আর আলোকচিত্র হচ্ছে কালের প্রতিচ্ছবি। বাংলাদেশ ও ভারতে দু’দেশের চলচ্চিত্র ও আলোকচিত্রের নিয়মিত প্রদর্শনী দু’দেশের সম্পর্ককে আরো গভীর করবে, বলেন তিনি।

তথ্য মন্ত্রণালয়ের অতিরিক্ত সচিব মোঃ মনজুরুর রহমানের সঞ্চালনায় ও কোলকাতায় বাংলাদেশ উপ-হাইকমিশনার তৌফিক হাসানের সভাপতিত্বে প্রখ্যাত ভারতীয় সংস্কৃতি ব্যক্তিত্ব বিভাস চক্রবর্তী, চলচ্চিত্রশিল্পী প্রসেনজিৎ, কোয়েল মল্লিক, গার্গী রায়, কোলকাতায় বাংলাদেশ উপ-হাইকমিশনের প্রথম সচিব (প্রেস) মোঃ মোফাখখারুল ইকবাল, উৎসবের কর্মব্যবস্থাপনা সংস্থা অনার্য কর্পোরেশনের ব্যবস্থাপনা পরিচালক সফিক রহমান ও উপদেষ্টা সুনীত কুমার পালধিসহ বিশিষ্ট সাংস্কৃতিক ব্যক্তিবর্গ অনুষ্ঠানে অংশ নেন।

#

আকরাম/সেলিম/সঞ্জীব/রেজাউল/২০১৭/১৮১২ ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী নম্বর : ৫৪

**সাবধানে গাড়ি চালাতে নৌমন্ত্রীর আহ্বান**

ঢাকা, ২৩ পৌষ (৬ জানুয়ারি):

নৌপরিবহন মন্ত্রী শাজাহান খান সাবধানতা ও বিচক্ষন্নতার সাথে গাড়ি চালাতে এবং যাত্রীদের সাথে ভালো ব্যবহার করতে পরিবহণ শ্রমিকদের প্রতি আহ্বান জানিয়েছেন। তিনি আজ ঢাকায় মহানগর নাট্যমঞ্চে ঢাকা জেলা হালকা যানবাহন সড়ক পরিবহন শ্রমিক ইউনিয়নের ত্রিবার্ষিক সাধারণ সভায় এ আহ্বান জানান।

মন্ত্রী বলেন, পরিবহন সেক্টর একটি সেবামূলক খাত। সড়ক পরিবহণ শ্রমিকরা দেশের উন্নয়নে কাজ করছে। তিনি বলেন, সরকার সব শ্রেণির শ্রমিকদের কল্যাণে কাজ করে যাচ্ছে। তিনি বলেন, ট্রেড ইউনিয়ন ক্ষতিকর নয়। ট্রেড ইউনিয়ন থাকার ফলে গার্মেন্টস সেক্টরে জ্বালাও- পোড়াও নেই; শ্রমিকদের মধ্যে অস্থিরতা নেই। ট্রেড ইউনিয়ন থাকলে আলাপ আলোচনার মাধ্যমে সমস্যার সমাধান সম্ভব। তিনি আরো বলেন, আওয়ামী লীগ সরকারের আমলে কোন শ্রমিক ইউনিয়ন অফিস ও টার্মিনাল দখল হয়নি। যারা জ্বালাও-পোড়াও করে মানুষ হত্যা করে তাদের সাথে সাধারণ শ্রমিকরা থাকবে না।

#

জাহাঙ্গীর/সেলিম/সঞ্জীব/রেজাউল/২০১৭/১৮১০ ঘণ্টা

Z\_¨weeiYx b¤^i : 53

**AvUNwiqvq bewbwg©Z †cŠi feb D‡Øvab Ki‡jb f~wggš¿x**

AvUNwiqv (cvebv), 23 †cŠl (6 Rvbyqvwi) :

f~wggš¿x kvgmyi ingvb kixd AvR wZb †KvwU UvKv e¨‡q AvUNwiqvq bewbwg©Z AvaywbK ‡cŠi fe‡bi D‡Øvab K‡ib| G Dcj‡ÿ Av‡qvwRZ Abyôv‡b gš¿x e‡jb, evsjv‡`k AvIqvgx jxM Dbœq‡bi ivRbxwZ K‡i| AvUNwiqvq kZfvM we`y¨r wbwðZ Kiv n‡q‡Q| AvUNwiqvi iv¯ÍvNv‡Ui kZfvM Dbœqb n‡q‡Q| †h‡Kvb RvqMvq cvKv iv¯Ívq `ªæZ I wbivc‡` PjvPj Ki‡Z cvi‡Q gvbyl|

gš¿x Av‡iv e‡jb, †cŠimfv †\_‡K my‡cq cvwbi e¨e¯’v, ‡Wªb-bvjv, myq¨v‡iR jvBb, m¨vwb‡Ukb e¨e¯’v Kiv n‡”Q| wZwb e‡jb, AvUNwiqvq mK‡ji Rb¨ wkÿve¨e¯’v wbwðZ Kivi j‡ÿ¨ mv‡o Pvi jvL eB miKvwifv‡e eQ‡ii cÖ\_g w`‡bB webvg~‡j¨ weZiY Kiv n‡q‡Q| AvUNwiqvq 5wU wWwMÖ K‡jR Kiv n‡q‡Q| AvUNwiqv cvBjU ¯‹zj I AvUNwiqv K‡jR‡K RvZxqKiY Kiv n‡q‡Q| Gme cÖavbgš¿x †kL nvwmbv miKv‡ii AvUNwiqvevmxi Rb¨ Dcnvi e‡j wZwb D‡jøL K‡ib|

#

†iRyqvb/†mwjg/mÄxe/†iRvDj/2017/18.00 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 52

**†`ke¨vcx 27 jvL K¤^j †cÖiY Kiv n‡q‡Q**

 **-- ÎvY gš¿x**

gZje DËi (Puv`cyi), 23 †cŠl (6 Rvbyqvwi) :

`y‡h©vM e¨e¯’vcbv I ÎvY gš¿x †gvdv¾j †nv‡mb †PŠayix gvqv, exiweµg e‡j‡Qb, kxZvZ© gvby‡li Rb¨ †`ke¨vcx 27 jvL K¤^j ‡cÖiY Kiv n‡q‡Q| Gi g‡a¨ cÖavbgš¿x †kL nvwmbvi ÎvYfvÐvi †\_‡K 18 jvL K¤^j eivÏ †`qv n‡q‡Q| †ewkifvM K¤^j DËivÂ‡j †cÖiY Kiv n‡q‡Q|

gš¿x gZje DËi I `wÿY Dc‡Rjvq kxZvZ© gvby‡li gv‡S K¤^j weZiYKv‡j GK\_v e‡jb| gZje DËi I `wÿY Dc‡Rjvq 14 nvRvi K¤^j weZiY Kiv nq| Gi g‡a¨ bvixi ÿgZvq‡bi Ask wn‡m‡e gwnjv †bZ…e„‡›`i gva¨‡g 2 nvRvi 500 K¤^j weZiY Kiv nq|

gš¿x Av‡iv e‡jb, Mwie gvbyl hv‡Z †Kvbfv‡eB kx‡Z Kó bv cvq †mRb¨ cÖavbgš¿x wb‡`©k w`‡q‡Qb| †Kvb GjvKvq GL‡bv K¤^j weZiY †kl bv n‡j `ªæZ me K¤^j weZi‡Yi Rb¨ gš¿x msm` m`m¨‡`i cÖwZ Aby‡iva K‡ib|

#

dviæK/†mwjg/mÄxe/†iRvDj/2017/1730 NÈv